



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1245]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 30, 2005/अग्रहायण 9, 1927

No. 1245]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 30, 2005/AGRAHAYANA 9, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 2005

स्टाम्प

का.आ. 1681(अ).— भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सं० सां० आ० 1145(अ), दिनांक 18 अक्टूबर, 2004 और सं० सां० आ० 522 (अ), दिनांक 7 अप्रैल, 2005 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड 3, उप-खंड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के आदेशों का अतिक्रमण करते हुए, ऐसे अतिक्रमण से पहले किए गए कार्यों अथवा किये जाने वाले कार्यों के लोप को छोड़कर, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सं० सां० आ० 130(अ०) दिनांक 28 जनवरी, 2004 के भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड (ii) में दिनांक 28 जनवरी, 2004 को प्रकाशित आदेश में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः

उक्त आदेश में सारणी के अंत में आने वाले परन्तुक के लिए निम्नलिखित परन्तुक प्रतिस्थापित किए जाएंगे, नामतः:-

“ बशर्ते कि उपर्युक्त सारणी के कालम (2) में अनुच्छेद 13 की (ख) और (ग) मदों के लिए विनिमय पत्रों पर और भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की अनुसूची- I के अनुच्छेद 49 की मद (ख) के लिए प्रामिसरी नोट पर विनिर्दिष्ट स्टाम्प शुल्क की दरें, जैसा कि उक्त सारणी में उल्लिखित है, (क) वास्तविक वाणिज्यिक अथवा व्यापारिक लेन-देनों, (ख) मौसमी कृषि कार्यों अथवा फसलों के विपणन अथवा (ग) कुटीर और लघु उद्योगों के उत्पादन अथवा विपणन गतिविधियों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, राज्य वित्तीय निगमों, वाणिज्यिक बैंकों तथा सहकारी बैंकों से वित्त प्राप्त करने के लिए लिखे गए अथवा किए गए आवधिक विनिमय पत्रों अथवा प्रामिसरी नोटों पर लागू नहीं होंगी और ऐसे साधनों पर उक्त सारणी के अनुच्छेद 13 की मद (ख) और (ग) और अनुच्छेद 49 की मद (ख) के सामने, जैसा उक्त सारणी में उल्लिखित है, विनिर्दिष्ट दर का 1/5 की दर से स्टाम्प शुल्क लगेगा । ”

इसके अलावा, बशर्ते कि भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की अनुसूची- I के अनुच्छेद 49 की मद (ख) के लिए प्रामिसरी नोट पर उक्त सारणी के कालम (2) में विनिर्दिष्ट स्टाम्प शुल्क दें, जैसा कि उक्त सारणी में उल्लिखित है, वाणिज्यिक कागज के रूप में प्रामिसरी नोट पर लागू नहीं होंगी और ऐसे साधनों पर अनुच्छेद 49 की मद (ख) के सामने उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर, जैसा कि उक्त सारणी में उल्लिखित है, का 1/5 की दर से स्टाम्प शुल्क लगेगा ।

व्याख्या 1- पहले परन्तुक के प्रयोजनों हेतु-

- (क) “कृषि कार्य” अभिव्यक्ति में पशुपालन और कृषि कार्यों के साथ संयुक्त रूप से की गई संबद्ध गतिविधियां शामिल हैं ;
- (ख) “फसलों” में कृषि कार्यों के उत्पाद शामिल हैं ;
- (ग) “फसलों का विपणन” अभिव्यक्ति में कृषि उत्पादकों अथवा ऐसे उत्पादकों के किसी संगठन द्वारा विपणन से पूर्व फसलों का संसाधन शामिल है ।

व्याख्या 2- दूसरे परन्तुक के प्रयोजनार्थ, “वाणिज्यिक कागज ” का तात्पर्य भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुसार प्रामिसरी नोट के रूप में जारी असुरक्षित मुद्रा बाजार साधन से है ।

व्याख्या 3- प्रभार योग्य शुल्क को, जहां कहीं भी आवश्यक हो, अगले पांच पैसे तक पूर्णांकित किया जाएगा ।”

[फा. सं. 33/18/2005-वि.क.]

आर. जी. छाबड़ा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 30th November, 2005

STAMPS

S.O. 1681(E).— In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) and in supersession of the Orders of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) published in the Gazette of India, Extra-ordinary, Part-II, Section 3, sub-section (ii), vide numbers S.O. 1145(E) dated the 18th October, 2004, and S.O. 522(E) dated the 7th April, 2005, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) number S.O. 130(E), dated the 28th January, 2004, published in Part-II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, Extra-ordinary dated the 28th January, 2004, namely:-

In the said Order, for the proviso occurring at the end of the Table thereto, the following provisos shall be substituted, namely:-

“Provided that the rates of stamp duty specified in column (2) of the above Table, on Bills of Exchange for items (b) and (c) of Article 13 and on promissory note for item (b) of Article 49 of the Schedule I of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), as referred to in the said Table, shall not apply to usance bills of exchange or promissory notes drawn or made for securing finance from the Reserve Bank of India, Industrial Finance Corporation of India, Industrial Development Bank of India, Small Industries Development Bank of India, State Financial Corporations, Commercial Banks and Cooperative Banks for (a) bonafide commercial or trade transactions, (b) seasonal agricultural operations or the marketing of crops, or (c) production or marketing activities of cottage and small scale industries and such instruments shall bear the rate of stamp duty at one-fifth of the rate specified in the said Table against items (b) and (c) of Article 13 and item (b) of Article 49, as referred to in the said Table.

Provided further that the rates of stamp duty specified in column (2) of the said Table, on promissory note for item (b) of Article 49 of the Schedule I of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), as referred to in the said Table, shall also not apply to promissory note in the form of commercial paper and such instruments shall bear the rate of stamp duty at one-fifth of the rate specified in the said Table against item (b) of Article 49, as referred to in the said Table.

Explanation 1.— For the purposes of the first proviso—

- (a) the expression “agricultural operations” includes animal husbandry and allied activities jointly undertaken with agricultural operations;
- (b) “crops” include products of agricultural operations;
- (c) the expression “marketing of crops” includes the processing of crops prior to marketing by agricultural producers or any organization of such producers.

Explanation 2.— For the purpose of the second proviso, “commercial paper” means an unsecured money market instrument issued, in the form of a promissory note, in accordance with the guidelines issued by the Reserve Bank of India from time to time.

Explanation 3.— The duty chargeable shall, wherever necessary, be rounded off to the next five paise.”

[F.No. 33/18/2005-ST]
R. G. CHHABRA, Under Secy.